प्रो.मनोज कुमार

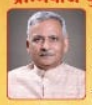

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के समाज कार्य संस्थान से से निवृत्त प्रोफेसर है। अकादमी और सामाजिक क्षेत्र में इन्होने समान रूप से भूमिका निभाई है। आपकी १० पुस्तके (हिंद स्वराज का तत्व दर्शन, महात्मा गांधी का आश्रम एवं संस्थाएं, समाज कार्य के नए आयाम, गांधी चरित्र मानस, युवा रचनात्मक के आयाम आदि) और दर्जनों शोध आलेख प्रकाशित हो चुके हैं।.. तीन दर्जन से अधिक शोधार्थियों ने पीएचडी, ६ शोधार्थियों ने पीडीएफ इनके मार्गदर्शन में सफलता पूर्वक संपन्न किया है। अकादमिक जीवन की शुरुआत इन्होंने विज्ञान में स्नातक के उपरांत तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के गांधी विचार विभाग से प्रारंभ की है उस विभाग के प्रथम सत्र में सर्वोच्च अंक प्राप्त किया, इस विश्वविद्यालय से ही प्रोफेसर रामजी सिंह के मार्गदर्शन में पीएचडी की उपाधि प्राप्त किया। गांधी विचार विभाग में आप व्याख्याता और विभाग अध्यक्ष भी रहे। गांधी विचार में स्नातकोत्तर उपाधि देने वाला यह देश का पहला विश्वविद्यालय था। बिहार छात्र आंदोलन में बांका जिला का अपने नेतृत्व किया परीक्षा का बहिष्कार करते हुए, जेल भी गए। आपका घर क्रांतिकारियों का अड्डा था। आपके पिता समाजवादी आंदोलन में अग्रणी थे और मीसा में बंदी भी बनाए गए थे।

भागलपुर सांप्रदायिक दंगा १९८९ में शांति सद्भावना के अलावा पुनर्वास के काम के लिए केंद्रीय शांति सद्भावना समिति के आप सचिव रहे गांधी शांति प्रतिष्ठान बिहार सर्वोदय मंडल गांधी शांति केंद्र और स्वराज बिहार के पदाधिकारी रहते हुए आप में गांधी विचार के प्रसार सांप्रदायिक सद्भाव संगठन के काम को आगे बढ़ाया। भागलपुर परिक्षेत्र में बाढ़ राहत काम के लिए मुंगेर भागलपुर और जमुई के क्षेत्र में क्षेत्र में स्पेन की संस्था के सहयोग से राहत का काम किया। छोटी नदियों की समस्या पर अपने गहरा अध्ययन किया है। कई कम में मैं यात्राएं आयोजित की। गांधी शांति प्रतिष्ठान केंद्र भागलपुर के आप १७ वर्षों तक सचिव रहे। संस्थाओं के संयोजन और समन्वय के लिए काम करते रहे हैं।

सेवानिवृत्ति के बाद कई पुस्तकों पर काम कर रहे हैं। बिहार में गांधी, संपूर्ण गांधी वांग्मय का इंडेक्सिंग, हिंदुस्तान में राज्यवार गांधी की उपस्थिति, गांधी की इतिहास दृष्टि: भावि इतिहास की प्रस्तावना आदि महत्वपूर्ण है।

डॉ छविनाथ

बहुआयामी अकादमिक आध्यात्मिक अन्वेषण की प्रतिभा के धनी है। इन्होंने स्नातक और स्नातकोत्तर कि उपाधि पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर से भूगोल में प्राप्त करने कउपरांत महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र से एमएसडब्ल्यू, एमफिल (गोल्ड मेडलिस्ट). और पीएचडी की योग्यता प्राप्त की है। एनजीओ प्रबंधन (गोल्ड मेडलिस्ट) में भी डिग्री प्राप्त की। पीएचडी शोध कार्य के लिए इन्हें शोध वृत्ति(आईसीएसएसआर)प्राप्त हुई है। संप्रति ये रायपुर के मैट्स विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में सहायक प्राध्यापक के पद पर अपनी सेवा दे रहे हैं। साइकेट्रिक सोशल वर्क, थ्योरी एंड बिहेवियर ऑफ सोशल केस वर्क, थ्योरी एंड बिहेवियर ऑफ सोशल ग्रुप वर्क, डाइमेंशन ऑफ सोशल वर्क, सफलता का मनोविज्ञान समाज विज्ञान की पुस्तक के अलावा रेखा कविता संग्रह भी प्रकाशित है। ओपन डिस्टेंस लर्निंग के तहत तीन पुस्तकें भी प्रकाशित हुई हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में दस शोध पत्र, कई लेख के अलावा विविध पुस्तकों में चौदह अध्याय प्रकाशित हैं।

प्रकाशन

सामाजिक सशक्तिकरण बहुउद्देशीय संस्था वर्धा

कपिल बस्ती, सुतगिरणी ले आउट बरूड वर्धा, महाराष्ट्र 442102,

फोन नं: 9130331541, *Email : samajik.sashakteekaran.2023@gmail.com*

Rs. 600/-

ISBN No. 9788197023583

चिकित्सकीय समाज कार्य के विविध आयाम और गॉधी दृष्टि — प्रो. मनोज कुमार, डॉ. छविनाथ

चिकित्सकीय समाज कार्य के विविध आयाम और गॉधी दृष्टि

प्रो. मनोज कुमार, डॉ. छविनाथ